भारत – नौरू संबंध

नौरू के साथ द्विपक्षीय संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। फीजी में भारत के उच्चायुक्त को वर्ष 2011 से नौरू को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो पूर्व में भारतीय उच्चायोग, वेलिंगटन में शामिल था। नई दिल्ली में नौरू का एक मानद कांसुल जनरल हैं।

नौरू पहले भारत को फॉस्फेट का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता था तथा इसने पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड (1981 में निगमित) में निवेश किया था, जो भारत सरकार और नौरू का संयुक्त उपक्रम है। अब भारत सरकार ने उनके शेयर मौलिक मूल्य पर वापस खरीद लिए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति किंजा क्लोडुमर ने ग्लोबल एनवायरमेंट फेसिलिटी (जी ई एफ) की प्रथम असेंबली मीटिंग में भाग लेने के लिए अप्रैल 1998 में भारत का दौरा किया था। इस यात्रा का उपयोग विचारों के द्विपक्षीय आदान - प्रदान के लिए किया गया था।

सीधे नियुक्त भारतीय प्रवासियों ने नौरू में पद धारण किए हैं और उनकी सेवाओं की नौरू सरकार द्वारा सराहना की गई है। श्री ससि कुमार परावनूर वर्तमान में नौरू गणराज्य की सरकार में मंत्रिमंडल सचिव के रूप में कार्य कर रहे हैं।

अगस्त 2003 में, राष्ट्रपति रेने हैरिस ने हमारे प्रधान मंत्री को पत्र लिखा था जिसमें ऊर्जा संयंत्र, जल अलवणीकरण संयंत्र, कंप्यूटर सिस्टम तथा 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर के ऋण के लिए भारत से मदद की मांग की गई थी। नवंबर 2003 में, नौरू सरकार ने कम्प्यूटर, फॉस्फेट खनन, विद्युत उत्पादन और अलवणीकरण संयंत्र के क्षेत्र में विशेषज्ञों की एक टीम प्रतिनियुक्त करने का पुन: अनुरोध किया था। जून 2004 में सरकार ने उनकी अपेक्षाओं का मौके पर मूल्यांकन करने तथा उनके कम्प्यूटर सिस्टम के आवश्यक मरम्मत, पुन: चालू करने और बदलने आदि के लिए उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु 10 दिन की अवधि के लिए एक कम्प्यूटर विशेषज्ञ की प्रतिनियुक्ति की थी।

भारत ने वर्ष 2007 में नौरू के संसद सदस्यों के उपयोग के लिए एक 16 सीटर मिनी वैन, नौरू संसद के स्पीकर के उपयोग के लिए एक 8 सीटर वैन और स्कूली बच्चों के उपयोग के लिए दो 30 सीटर बसों की आपूर्ति की थी। सुवा स्थित हमारे मिशन द्वारा वर्ष 2008 में नौरू के लिए शिक्षकों की भर्ती करने के लिए प्रशांत द्वीपसमूह फोरम (पी आई एफ) सचिवालय को 1,00,000 अमरीकी डॉलर का सहायता अनुदान जारी किया था। उसके बाद, प्रशांत द्वीपसमूह फोरम (पी आई एफ) सचिवालय ने इस राशि को नौरू को अंतरित कर दिया था। भारत सरकार की ओर से वर्ष 2006 के बाद से 1,00,000 अमरीकी डॉलर तथा वर्ष 2009 के बाद से 1,25,000 अमरीकी डॉलर के वार्षिक अनुदान के तहत नौरू की परियोजनाओं में वर्ष 2007 और 2008 के सहयता अनुदान में से गवर्नमेंट एक्सपैट्रिएट एम्प्लॉयीज अपार्टमेंट निर्माण परियोजना शामिल है। दिसंबर 2012 में, भारत सरकार ने मेनेन होटल के सात कमरों को प्रवासियों के लिए पूर्ण सुविधा युक्त यूनिटों में बदलने के लिए भारत सरकार के सहायता-अनुदान के तहत 231533 अमरीकी डॉलर की सहायता प्रदान की थी। भारत सरकार ने मई 2015 में प्रवासियों के लिए 7 आत्मनिर्भर यूनिटों के लिए मेनन होटल के शेष कमरों के लिए 244112 अमरीकी डॉलर और अगस्त 2015 में समुद्री दीवार के निर्माण के लिए 450,175 अमरीकी डॉलर का वित्त पोषण प्रदान किया।

श्री बी आर मंडल ने आई टी ई सी कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2008 से 2011 तक नौरू सरकार में लेखा परीक्षा निदेशक के रूप में कार्य किया है। महामहिम माननीय राष्ट्रपति मार्कस स्टीफन और नौरू संसद ने उनकी लेखा परीक्षा के लिए भारतीय योगदान का आभार प्रकट किया।

राष्ट्रपति मार्कस स्टीफन ने अक्टूबर 2010 में नई दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत का दौरा किया था। इन खेलों में नौरू ने भारोत्तोलन में एक स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था। (1990 में जब से नौरू ने इन खेलों में भाग लेना आरंभ किया है, तब से प्रत्येक राष्ट्रमंडल खेल में पदक जीता है, जिनमें वर्ष 2002 के मैनचेस्टर खेलों में भारोत्तोलन में 15 पदक (10 पदक महिला भारोत्तोलकों द्वारा) शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति मार्कस स्टीफन ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में 7 स्वर्ण पदक और 3 रजत पदक जीते हैं)।

वर्ष 2012-13 में आई टी ई सी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए नौरू द्वारा कुल 4 स्लॉटों का उपयोग किया गया था। वर्ष 2014 -15 में प्रस्तुत 5 स्लॉट में से 2 स्लॉटों का उपयोग किया गया। वर्ष 2015-16 के लिए भी 5 स्लॉट प्रदान किए गए हैं।

नौरू के न्याय, सीमा और नियंत्रण मंत्री डेविड आडियांग के नेतृत्व में नौरू के एक शिष्टमंडल ने 23 से 25 अक्टूबर, 2013 तक नई दिल्ली में आयोजित एशिया और प्रशांत में बाल अधिकारों के लिए दक्षिण-दक्षिण सहयोग विषयक द्वितीय उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

उप राष्ट्रपति के रूप में माननीय डेविड आडियांग के नेतृत्व में एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं पर्यटन क्षेत्र में सहयोग के सिलसिले में 29 जून से 2 जुलाई 2014 तक भारत का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने केरल के मुख्य मंत्री और पर्यटन मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर, 2014 को फिजी की अपनी यात्रा के दौरान सुवा (फिजी) में भारत - प्रशांत द्वीपीय देश मंच (एफ आई पी आई सी) शिखर बैठक का आयोजन किया जिसमें 14 प्रशांत देशों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रपति माननीय बैरॉन वाका के नेतृत्व में नौरू के शिष्टमंडल ने सम्मेलन में भाग लिया। प्रशांत क्षेत्र के देशों (जिसमें नौरू भी शामिल है) के संबंध में 19 नवंबर, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जो घोषणाएं की गई उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : (i) 1 मिलियन डॉलर के एक विशेष अनुकूलन कोष का गठन, (ii) टेली - मेडिसीन एवं टेली - एजुकेशन के लिए अखिल प्रशांत द्वीप परियोजना का विकास, (iii) प्रशांत द्वीप के देशों - कुक द्वीप समूहों, किंगडम ऑफ टोंगा, टुवालु, नौरू गणराज्य, किरिबाटी गणराज्य, वनौतू सोलोमन द्वीप समूह, समोया, नीयू, पलायू गणराज्य, माइक्रोनेशिया संघीय गणराज्य, मार्शल द्वीप गणराज्य, फिजी, पपुआ न्यू गिनिया के लिए आगमन पर भारतीय वीजा, (iv) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए प्रति वर्ष सहायता अनुदान को बढ़ाकर 2,00,000 डॉलर करना जिसे हमारे विकास सहयोग के लिए एक व्यापक क्षेत्र प्रदान करने के लिए शुरू किया जाएगा, (v) भारत में प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए व्यापार कार्यालय की स्थापना, (vi) आई टी पी ओ द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों के दौरान प्रशांत द्वीप मंच के देशों के लिए कंप्लीमेंटरी स्पेस प्रदान करना, (vii) कृषि, स्वास्थ्य देखरेख एवं आईटी जैसे क्षेत्रों सहित अनेक क्षेत्रों में प्रशांत द्वीप के देशों में आई टी ई सी विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति, (viii) प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करना, (ix) प्रशांत द्वीप के देशों के लिए विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम शुरू करना, (x) 2015 में भारत में प्रशांत द्वीप के देशों एवं भारत के नेताओं की अगली शिखर बैठक का आयोजन करना, (xi) लोगों के जीवन की गुणवत्ता एवं संचार की सुविधाओं में सुधार के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अप्लीकेशन के प्रयोग में सहयोग, (xii) जलवायु परिवर्तन की निगरानी, आपदा जोखिम कटौती तथा प्रबंधन एवं संसाधन प्रबंधन के लिए डाटा की हिस्सेदारी की संभावनाओं का पता लगाना, और (xiii) परंपरागत दवाओं में संयुक्त अनुसंधान करना; इस क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए स्वास्थ्य देखरेख की सुविधाएं विकसित करना।

नौरू के दो राजनयिकों ने मई, 2015 में नाडी, फिजी में विदेश सेवा संस्थान द्वारा प्रशांत द्वीप के देशों के राजनयिकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।

19 जून, 2015 को नौरू में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

21 अगस्त, 2015 को जयपुर में आयोजित भारत - प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफ आई पी आई सी) की दूसरी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए माननीय राष्ट्रपति बैरॉन वाका के नेतृत्व में नौरू के एक शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, सुवा की वेबसाइट :
http://www.indianhighcommissionfiji.org
भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiainFiji
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/ICCHighcomindSuva

***

जनवरी, 2016